OM 14 FINAL-c_Page 1 and 2 02-10-2014 18:20 Page 1

कलाओं के उपयोग से नये समाज की कला होगी विकसित

दादी रतनमोहिनी के साथ अभिनेत्री वर्षा उसगावकर दीप प्रज्वलित करते हुए।

शांतिवन। हमारी संस्कृति हमारे संस्कारों की जननी होती है। जैसी हमारी संस्कृति होगी वैसे ही हमारे संस्कारों का निर्माण होगा। आज कलाओं में फूहड़ता और भद्दापन संस्कृति को बिगाड़ रहे हैं। कलाकार अपनी कलाओं का निर्माण नये समाज के निर्माण के लिए करें। उक्त विचार फिल्म अभिनेत्री वर्षा उसगावकर ने व्यक्त किये। वे ब्रहमाकुमारीज संस्था के शांतिवन में कला एवं संस्कृति प्रभाग की ओर से आयोजित सम्मेलन में बोल रहीं थी। उन्होंने आगे कहा कि कलाकारों की असली लाईफ पर्दे पर दिखने वाली ज़िन्दगी से बिल्कुल अलग होती है। इसलिए दर्शकों को कभी भी वास्तविक लाईफ में केवल सकारात्मक बातों को ही उतारने का प्रयास करना चाहिए। फिल्मों एवं अन्य धारावाहिकों का केवल मकसद समाज में सकारात्मकता फैलाना है।

ब्रहमाकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि मनुष्य के अन्दर श्रेष्ठ मूल्यों एवं कलाओं का विकास ही मनुष्य की असली शोभा होती है। इसलिए मनुष्य को मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कला एवं संस्कृति प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्र.कु. रमेश शाह ने कहा कि इस प्रभाग का लक्ष्य कलाकारों के द्वारा नये समाज की स्थापना करना है। ऐसे में जरूरी है कि हम इसमें सहयोग करें। इस अवसर पर भारतीय विद्या भवन मुम्बई के निर्देशक कमलेश मोटा, प्रभाग की नेशनल को-ऑर्डिनेटर ब्र.कु. कुसुम, मुम्बई की ब्र.कु. नीहा, ब्र.कु. सतीश समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

रशिया में आध्यात्मिकता के प्रति बढ़ा रुझान

सेन्ट पीटर्सबर्ग-रशिया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का रशिया पहुंचने पर रशियन संस्कृति के साथ ब्र.कु. भाई-बहनों से ज़ोरदार स्वागत किया।

रशिया के मॉस्को शहर में सेवाकेन्द्र की रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें रशिया के भारतीय राजदूत ने सेवाकेन्द्र पर ब्रह्माकुमारी संस्था की सेवाओं की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। भारतीय राजदूत ने दादी से मुलाकात की और भारतीय संस्कृति के अनुरूप मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने की बात पर बल दिया। दादी ने उन्हें विश्व भर में तीव्र गति से हो रही सेवाओं से अवगत कराया।

से सेन्ट पीटर्सबर्ग पहुंचने पर रशिया ज़ोन के विभिन्न देशों के करीब 25 शहरों से आए 175 भाई-बहनों ने बड़ी धूमधाम से रशियन संस्कृति के अनुरूप दादी की विशेषताओं और सेवाओं को दर्शाते हुए संगीत के साथ नृत्य करते दादी का भरपूर स्वागत किया। यहीं पर दो कुमारियों का समर्पण समारोह आकर्षण का केन्द्र रहा। पाश्चात्य संस्कृति का बोलबाला होने के बावजूद दो कुमारियों के समर्पण होने पर उन्हें दादी के समक्ष ईश्वरीय मर्यादाओं के अनुकूल विधिपूर्वक शपथ दिलाई गई। इसी श्रृंखला में भव्यतम् महल के रूप में लाइट हाउस सेवाकेन्द्र की नवनिर्मित दूसरी मंजिल माइट हाउस का दादी ने विधिवत् उद्घाटन किया, जो भाई-बहनों के अथक सहयोग से कम समय में तैयार किया गया। जिसके तहत 500 लोगों की क्षमता वाला एक हॉल, 50 लोगों की आवासीय व्यवस्था, मिनी हॉल, मीटिंग हॉल, मीटिंग रूम, 200 लोगों की क्षमता वाले तीन डायनिंग रूम आदि की व्यवस्था है।इस मौके पर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ फण्डामेंटल स्ट्डीज़ (आईएफयूएस) के कुलपति ने दादी जानकी की और दादी रतनमोहिनी को ग्रांड डॉक्टर ऑफ फिलासॉफी की ऑनरेरी डिग्री प्रदान की। सेंट पीटर्सबर्ग प्रशासन के अधीन एक सामाजिक संस्था के प्रजीडेंट ने दादी को विद्यालय द्वारा मानवीय मूल्यों के निर्माण के लिए की जाने वाली सेवा को देखते हुए एक ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर ब्र.कु.चक्रधारी, ब्र.कु.संतोष तथा कई समजसेवी संस्थान के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रशिया में आध्यात्मिकता के कई कार्यक्रमों का आयोजन

सेन्ट पीटर्सबर्ग-रशिया। यूनिवर्सिटी ऑफ फण्डामेंटल स्ट्डीज़ (आईएफयूएस) के कुलपति दादी रतनमोहिनी को ग्रांड डॉक्टर ऑफ फिलासॉफी की ऑनरेरी डिग्री प्रदान करते हुए। साथ में ब्र.कु.संतोष, ब्र.कुचक्रधारी तथा ब्र.कु.विजय ।

मूल्यनिष्ठ समाज के लिए मूल्य आधारित होना होगा

पन्ना-म.प्र.। मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना में अपने योगदान के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए पत्रकारों के साथ ब्र.कु.सीता, ब्र.कु.गंगाधर व ब्र.कु.अनुज।

पन्ना-म.प्र.। मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना में मीडिया की भूमिका को लेकर मीडिया संगोष्ठी का आयोजन किया गया। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रुप में सुशोभित मीडिया आज अपने उत्तरदायित्व से कहीं ना कहीं विमुख है। उसका कारण मीडिया का व्यवसायिकरण होना है। अपने स्वहित के कारण आज मीडिया उन बातों को कहती है जो प्रमुखतया अनर्गल हैं। आज मीडिया जागरुक नहीं है क्योंकि वो मूल्यों और मानदण्डों को भूल चुकी है, इसलिए उसे जागरुक बनाने के लिए अपने को मूल्याधारित करना होगा, तभी एक मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना में आप अपना योगदान दे सकते हैं। उपरोक्त विचार ओमशान्ति मीडिया के संपादक ब्र.कु. गंगाधर ने पत्रकारों से मुखातिव होते हुए दिए।

उन्होंने कहा कि आज समाज के सामने उपस्थित अनेक चुनौतियों को भातृत्व भाव से पारस्परिक सद्भाव के साथ मिल-जुलकर दूर किया जा सकता है। संगोष्ठी में नई दिल्ली के युवा पत्रकार ब्र.कु. अनुज ने कहा कि पत्रकारों को जहां एक ओर अपनी लेखनी में सामाजक मूल्यों की अभिव्यक्ति देने की ज़रूरत है वहीं दूसरी ओर मूल्यों को कायम रखने के लिए सत्य पर आधारित विषय वस्तु को प्रकट करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

इस अवसर पर भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी ने कहा कि मीडिया के क्षेत्र में मूल्यों की स्थापना के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयास स्तुत्य हैं और इस वास्तविकता से पूरा मीडिया जगत वाकिफ हो चुका है। भोपाल से आये ज्ञानवीणा पत्रिका के संपादक ब्र.कु. श्रीप्रकाश ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज चारों तरफ व्याप्त अशांति के वातावरण में सुख और शांति की प्राप्ति के लिए ब्रह्माकुमारी संस्था ने पूरे दुनिया में अलख जगाई है। इस कार्यक्रम में ब्र.कु. निर्मला,रीवा, ब्र.कु. शीला,सतना, ब्र.कु.सीता,पीस पार्क,सतन, ब्र.कु. प्रकाश,रीवा व मीडिया जगत के कई पत्रकार उपस्थित थे।

बदलना है आचार तो मन के साथ करें सच्चा व्यापार

सतना। पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.अनुज, ब्र.कु गंगाधर, ब्र.कु.प्रकाश ब्र.कु.निर्मला, ब्र.कु.श्रीप्रकाश, मधुकर द्विवेदी, ब्र.कु.सीता तथा अन्य।

सतना (म.प्र.)। समाज में व्यापारियों को सहज रीति से जीवन जीने तथा उसमें सहज राजयोग का पुट डालकर उसे और मूल्यवान बनाने हेतु इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। बिंध्य में बसे एक छोटे से जिले सतना के लगभग 300 से अधिक व्यापारियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रमुख वक्ता के रूप में पधारे ब्र.कु. गंगाधर ने कहा की आप सब निश्चित रूप से अपने कार्यक्रम में बहुत व्यस्त रहते हैं। उस व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालना थोड़ा सा मुश्किल लगता है। लेकिन जिस तरह से शरीर की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं, वैसे ही आप सबको अपनी दिनचर्या से थोड़ा समय अपनी आत्मा के लिए भी निकालना चाहिए क्योंकि आत्मा ही शरीर का संचालन करती है। अगर उसे हम सही खुराक ना दें तो वो कमजोर हो जाएगी। इसलिए --शेष पेज 3 पर

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - **9414006096, 9414182088,** Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक **190** रुपये, तीन वर्ष **570** रुपये, आजीवन **4500** रुपये । **विदेश - 2500** रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th Oct 2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।